BA-I

Short notes on Raga-Desh.

- राग देश उत्पत्ति खमाज थाट से मानी गई है।
- इसमें दोनों निषाद का प्रयोग होता है।
- आरोह में गंधार और धैवत वर्ज्य है।
- अवरोह में सातों स्वर प्रयोग किये जाते हैं।
- इस राग में वादी रे और संवादी प है।
- इसका गायन समय रात्रि का दूसरा प्रहर है।
- यह चंचल प्रकृति का राग है। इसमें छोटा ख्याल और ठुमरी गाई बजाई जाती है।
- इस राग से मिलता जुलता राग सोरठ और तिलक कामोद है।
- अवरोह में अधिकतर ऋषभ वक्र प्रयोग किया जाता है। जैसे - मगरे ऽ गऽ नि़ सा।
- ध म स्वरों की संगति बार-बार दिखाई जाती है। इसलिये अवरोह में प को अल्प कर 'धम' प्रयोग किया जाता है, जैसे :- नि धप, धमगरे, गऽ नि़ सा।